Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 अक्तूबर, 2023

सरकार ने विमानन क्षेत्र से हटाया IBC प्रतिबंध

हाल ही में **कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय** ने **विमान और उनके इंजनों से संबंधित सभी लेनदेन और समझौतों** को दिवाला और दिवालियापन संहिता (IBC), 2016 की **धारा 14 के तहत निषेध** से छूट दी है, यह विमान पट्टेदारों (ऐसी कंपनियाँ जो अपने विमानों के बेड़े को एयरलाइंस को पट्टे पर देती हैं) को राहत प्रदान करती है।

- विमान पट्टेदारों को तब चुनौतियों का सामना करना पड़ा जब राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (NCLT) ने उन्हें गो-फर्स्ट (एक भारतीय एयरलाइन) से विमान वापस लेने से रोक दिया, जिसने दिवालियापन के लिये आवेदन किया था।
- यह छूट **केप टाउन कन्वेंशन (CTC) के अनुरूप** है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो **पट्टेदारों को विमान वापस लेने के लिये समयबद्ध समाधान** प्रदान करती है, इस प्रकार **दिवालियापन के मामले सहित उनके जोखिमों को भी कम** करती है।
  - भारत भी CTC का हस्ताक्षरकर्त्ता है।

और पढ़ें: बी.सी. सुधार: आय का वितरण

अमेज़न रिवर डॉल्फिन:

- हाल ही में संभवतः **गंभीर सूखे और गर्मी** के कारण **अमेज़न रिवर की सहायक नदी** में 100 से अधिक डॉल्फिन मृत पाई गईं।
- अमेज़न रिवर डॉल्फिन अपने विशिष्ट गुलाबी और भूरे रंग के लिये जानी जाती हैं। धीमा प्रजनन चक्र उनकी आबादी को विशेष रूप से खतरों के प्रति संवेदनशील बनाता है।
- अमेज़न रिवर डॉल्फिन विशेष रूप से **मीठे जल की डॉल्फिन** हैं और दक्षिण अमेरिका की नदी प्रणालियों में रहने के लिये अनुकूल हैं।
  - अमेज़न रिवर डॉल्फिन की कई प्रजातियाँ हैं, जिनमें **पिंक डॉल्फिन (Inia geoffrensis) और ग्रे डॉल्फिन (Sotalia fluviatilis)** शामिल हैं।
- अमेज़न रिवर डॉल्फिन मुख्य रूप से मछली का भक्षण करती है, अपने शिकार का पता लगाने के लिये इकोलोकेशन **(Echolocation)** का उपयोग करती हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ **(International Union for Conservation of Nature-IUCN)** लाल सूची संरक्षण स्थिति: **लुप्तप्राय**।

फिश मिंट: अद्भुत स्वास्थ्य लाभ वाली एक जड़ी-बूटी:

फिश मिंट जिसे **हाउट्टुइनिया कॉर्डेटा(Houttuynia cordata)** या गिरगिट पौधे के रूप में भी जाना जाता है, दिखने में मछली जैसा नहीं है,**लेकिन इसकी मछली जैसी विशिष्ट गंध और स्वाद से इसके असामान्य नाम की उत्पत्ति** का पता चलता है।

- **दक्षिण पूर्व एशिया** में मूल रूप से पाई जाने वाली यह जड़ी-बूटी नम मृदा में पनपती है और बाढ़ के प्रति प्रतिरोधी है।
- भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है और इसका उपयोग सलाद, मछली व्यंजनों एवं पारंपरिक उपचारों में किया जाता है।
  - मेघालय में इसे **जा-मर्दोह** कहा जाता है। मणिपुर में इसे **टोकनिंग-खोक** कहा जाता है।
  - इसके अलावा, पारंपरिक चीनी और जापानी चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद और सिद्ध भी इसके औषधीय गुणों को स्वीकार करते हैं।
- हाल के अध्ययनों ने इसकी चिकित्सीय क्षमता को मज़बूत किया है, जिसमें**अस्थमा के लक्षणों को कम करने, बुखार से प्रेरित अंग क्षति को दबाने, संक्रामक मौखिक स्थितियों** से निपटने आदि की क्षमताएँ शामिल हैं।

चक्रीय प्रवासन (Circular Migration):

[**सर्कुलर माइग्रेशन**]() अर्थात् **चक्रीय प्रवासन** स्थानांतरण का एक आवर्ती पैटर्न है जिसके तहत **व्यक्तिरोज़गार के अवसरों की उपलब्धता** के आधार पर **अपने मूल देश से गंतव्य देश के लयि प्रवास** करते हैं।

- सर्कुलर माइग्रेशन के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लयि, कुछ मानदंडों को पूरा कयिा जाना होता है, जसिमें **अस्थायी नविास,** गंतव्य देश में एकाधिक प्रवष्टियाँ, स्थानांतरण की स्वतंत्रता, कानूनी अधिकार, **[प्रवासी अधिकारों]() की सुरक्षा** और अस्थायी श्रम की मांग शामलि है। जब कई देश इसमें शामलि होते हैं तो यह अवधारणा और अधिक जटलि हो जाती है।
- सर्कुलर माइग्रेशन को **प्रवासन के लयि एक संतुलति दृष्टकिोण** के रूप में देखा जाता है, जो **गंतव्य और मूल देशों दोनों की आर्थिक ज़रूरतों** को पूरा करता है। यह स्थायी जनसांख्यिकीय बदलाव के बिना **कौशल, [प्रेषण]()** और **श्रम** के प्रसार में सहायता करता है।
- यदिसर्कुलर माइग्रेशन अवसर प्रदान करता है तो साथ ही यह चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है, जसिमें **मूल देशों के लयि प्रतभिा पलायन** और **गंतव्य देशों में सांस्कृतिक संघर्ष** शामलि हैं।

और पढ़ें: [**प्रवासी मुद्दे और सुरक्षा उपाय**]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-06-october,-2023